प्रोफेसर चेतन सिंह सोलंकी एक जाने-माने जलवायु परिवर्तन कार्यकर्ता, नवप्रवर्तक और शिक्षाविद हैं, जिन्होंने जीवनशैली में बदलाव और एनर्जी स्वराज के माध्यम से जलवायु संकट से निपटने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया है। उन्होंने जलवायु सुधार के प्रति अपने जुनून के चलते 2025 में **आईआईटी बॉम्बे से इस्तीफा दे दिया है**। नवंबर 2020 से वे एक सौर ऊर्जा से चलने वाली बस में रह रहे हैं और यात्रा कर रहे हैं — यह *11-वर्षीय एनर्जी स्वराज यात्रा* है, जो पूरी तरह सौर ऊर्जा पर आधारित है और 2030 तक पूरे भारत में जारी रहेगी। हालाँकि वे पारिवारिक जीवन से गहराई से जुड़े हैं, उन्होंने इस पूरे अवधि में घर न लौटने की प्रतिज्ञा ली है, और हर एक दिन जलवायु सुधार के उद्देश्य को समर्पित किया है। प्रो. सोलंकी 13 मई से 20 अगस्त 2026 तक 100 दिनों की 'भारत क्लाइमेट सत्याग्रह यात्रा' का नेतृत्व करेंगे, जिसमें वे भारत के गोल्डन क्वाड्रिलेटरल के अंतर्गत 51 शहरों की यात्रा कर लोगों को केवल जागरूकता नहीं, बल्कि जलवायु कार्रवाई के लिए प्रेरित करेंगे।

यह यात्रा, महात्मा गांधी के सिद्धांतों से प्रेरित, एक जीवित प्रयोगशाला और जन-जागरूकता मंच है। पाँचवें वर्ष की ओर बढ़ते हुए, प्रो. सोलंकी अब तक **80,000 किलोमीटर की यात्रा**, **1800 से अधिक वार्ताएँ**, **5 लाख से अधिक लोगों से सीधा संवाद**, और **20 लाख से अधिक लोगों को ऊर्जा साक्षर** बना चुके हैं। इस प्रयास ने केवल ज्ञान ही नहीं फैलाया बल्कि लोगों के सोचने के तरीके में भी बदलाव लाया है — उन्हें सजग उपभोग और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर प्रेरित किया है।

इन्हीं अनुभवों और सक्रिय भागीदारी से वर्ष 2025 में **फाइनाइट अर्थ मूवमेंट (FEM)** की शुरुआत हुई — जिसका लक्ष्य है वर्ष **2027 तक 1 अरब लोगों को जलवायु कार्रवाई में शामिल कर**, सीमित जीवनशैली को वैश्विक जनांदोलन बनाना। FEM का आधार सरल सत्य है: *सीमित पृथ्वी पर, उपभोग भी सीमित होना चाहिए।* इसे कार्यान्वित करने के लिए FEM ने *क्लाइमेट एक्शन फ्रेमवर्क* तैयार किया है, जिसमें *कंज़म्पशन लिटरेसी*, *TUPEE क्लाइमेट हैबिट्स* और *AMG निर्णय फ़िल्टर* जैसे व्यावहारिक साधन शामिल हैं।

"**सोलर मैन ऑफ इंडिया**" और "**सोलर गांधी**" के नाम से विख्यात, प्रो. सोलंकी ने दृष्टि और क्रिया का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया है। आईआईटी बॉम्बे में रहते हुए उन्होंने *ने नेशनल सेंटर फॉर फोटोवोल्टिक रिसर्च एंड एजुकेशन (एन सी पी आर ई)* और ऐतिहासिक *SoULS (Solar Urja through Localization for Sustainability)* परियोजना का नेतृत्व किया। इसके माध्यम से **10,000 ग्रामीण महिलाओं को प्रशिक्षित कर रोजगार दिया गया और 75 लाख परिवारों को स्वच्छ रोशनी उपलब्ध कराई गई।** मध्य प्रदेश सरकार ने उन्हें *सौर ऊर्जा ब्रांड एंबेसडर* नियुक्त किया। उनके कार्य को अनेक सम्मान प्राप्त हुए हैं, जिनमें शामिल हैं: *IEEE का वैश्विक ग्रैंड प्राइज (US$100,000)*, *प्रधानमंत्री का इनोवेशन अवार्ड*, *ONGC सोलर चूल्हा चैलेंज*, *तीन गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स*, राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी पुरस्कार, और विशेष उपाधियाँ जैसे *गार्जियन ऑफ ह्यूमैनिटी*, *आउटस्टैंडिंग ग्रीन एक्टिविस्ट*, *हीरो ऑफ द एनवायरनमेंट*। लिंक्डइन ने उन्हें *टॉप 15 थॉट लीडर्स* में भी शामिल किया है।

उनकी आवाज़ वैश्विक मंचों पर गूँज चुकी है। 2019 में उन्होंने 30 देशों की यात्रा कर सौर ऊर्जा का संदेश फैलाया और संयुक्त राष्ट्र, जेनेवा में *एनर्जी स्वराज मॉडल* प्रस्तुत किया। वे *TED स्पीकर* हैं और गूगल, इंटेल, टीसीएस, शेल, ब्लैकरॉक जैसी वैश्विक कंपनियों में आमंत्रित किए जा चुके हैं। शिक्षा नीति में योगदान के रूप में वे *CBSE और AICTE की समितियों के अध्यक्ष* तथा *राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत पर्यावरण शिक्षा फोकस समूह* के सदस्य रहे हैं। उन्होंने **8 किताबें लिखी हैं, 100 से अधिक अंतरराष्ट्रीय शोध पत्र प्रकाशित किए हैं और 4 अमेरिकी पेटेंट उनके नाम पर हैं।** उनकी पेंगुइन द्वारा प्रकाशित नई पुस्तक "**Climate Change 2100: Survive or thrive?**" हाल ही मे प्रकाशित हुई है।।

आज, **फाइनाइट अर्थ मूवमेंट** के माध्यम से प्रो. सोलंकी हर नागरिक से अपील करते हैं कि वे *सीमित जीवनशैली* अपनाकर जलवायु सुधार के मार्गदर्शक बनें, क्योंकि उनका संदेश सरल लेकिन गहरा है:**"I can afford, but nature cannot"**
उनका विश्वास है कि जलवायु सुधार नीतियों या तकनीकों से शुरू नहीं होगा — यह व्यक्ति से ही शुरू होता है। उनका आह्वान है: **"अभी जलवायु सुधार के लिए कार्य करें, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक रहने योग्य पृथ्वी छोड़ी जा सके।"**